PAPER-II
SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.________________________________
(In words)

J	7	3	1	3

Time : 1 1/4 hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal / polythene bag on the booklet. Do not accept a booklet without sticker-seal / without polythene bag and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील / पोलिथीन बैग को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील / बिना पोलिथीन बैग की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D) जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

संस्कृत-परम्परागत विषय:

संस्कृत-परम्परागत विषय

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् – II

प्रश्नपत्र – II

Paper – II

संकेत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत् (50)** बहुविकल्पीय प्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्क**द्वयम्** । **सर्वे** प्रश्ना : उत्तरणीया: ।

टिप्पणी : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें ।

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. Attempt **all** the questions.

समुचितं विकल्पं चिनुत
समुचित विकल्प चुनिए
Select correct question

1. त्रिक् भावोऽस्ति –
त्रिक् भाव है –
त्रिक् भाव is –
(A) द्वितीय:
(B) षष्ठ:
(C) सप्तम:
(D) एकादश:

2. प्रतिपत्त् तिथे: स्वामी –
प्रतिपदा का स्वामी है –
The स्वामी of प्रतिपत् तिथि is –
(A) ब्रह्मा
(B) वह्नि:
(C) गौरी
(D) गणेश:

3. अभुक्तमूलं भवति –
अभुक्तमूल होता है –
अभुक्तमूल Occurs –
(A) रेवत्याश्विनीयोगे
(B) श्लेषामघायोगे
(C) ज्येष्ठामूलयोगे
(D) वैधृतिसंयोगे

4. सूर्योदयान्तराले भवति –
"सूर्योदयान्तराले" होता है –
"सूर्योदयान्तराले" is called –
(A) चान्द्रदिनम्
(B) सौरदिनम्
(C) सावनदिनम्
(D) नाक्षत्रदिनम्

5. सूर्यग्रहणं भवति –
सूर्यग्रहण होता है –
सूर्यग्रहण occurs –
(A) अमादौ
(B) पूर्णिमादौ
(C) प्रतिपदादौ
(D) प्रतिपदान्ते

6. "लीलावती" कारोऽस्ति –
'लीलावती' कार है –
The author of लीलावती is –
(A) भास्कर:
(B) आर्यभट्ट:
(C) वराह:
(D) गणेश:

7. मुग्धबोधव्याकरणस्य रचयितुर्नाम –
मुग्धबोधव्याकरण के रचयिता का नाम –
The author of मुग्धबोध व्याकरण, is –
(A) हेमचंद्र:
(B) कात्यायन:
(C) बोपदेव:
(D) भर्तृहरि:

8. माहेश्वरसूत्राणि सन्ति –

माहेश्वरसूत्र हैं –

The माहेश्वर सूत्रs are –

(A) एकादश

(B) द्वादश

(C) त्रयोदश

(D) चतुर्दश

9. फलप्राप्तिद्योत्यायां कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे विभक्ति: स्यात –

फलप्राप्तिबोधक काल और मार्ग का अत्यन्त संयोग होने पर विभक्ति होती है –

फलप्राप्तिद्योत्यायां कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे the विभक्ति enjoined, is –

(A) द्वितीया

(B) तृतीया

(C) चतुर्थी

(D) पञ्चमी

10. न्यायरत्नमालाया: रचयिता अस्ति ।

न्यायरत्नमाला का रचयिता है –

The author of न्यायरत्नमाला is –

(A) वाचस्पतिमिश्र:

(B) मुरारिमिश्र:

(C) पार्थसारथिमिश्र:

(D) भवनाथमिश्र:

11. 'स्वर्गकामो यजेत' इत्यत्र 'त' प्रत्ययेऽस्ति –

'स्वर्गकामो यजेत' यहाँ 'त' प्रत्यय में है –

'स्वर्गकामो यजेत' here 'त' affix is –

(A) धर्मद्वयम्

(B) धर्मत्रयम्

(C) धर्मचतुष्टयम्

(D) धर्मषट्कम्

12. प्रतिपत्तिरस्ति –

प्रतिपत्ति: है –

प्रतिपत्ति is –

(A) द्विविधा

(B) चतुर्विधा

(C) नवविधा

(D) त्रिविधा

13. प्रत्यक्षचिन्तामणिकारोऽस्ति ।

प्रत्यक्षचिन्तामणिकार है –

The author of प्रत्यक्षचिन्तामणिकार is –

(A) वर्द्धमानोपाध्याय:

(B) यज्ञपत्युपाध्याय:

(C) गङ्गेशोपाध्याय:

(D) पशुपतिनाथोपाध्याय:

14. समवायिकारणं भवति –

समवायिकारण है –

समवायिकारण is related with –

(A) गुण:

(B) द्रव्यम्

(C) कर्म

(D) अभाव:

15. सप्तानां साधर्म्यं भवति –

सातों का साधर्म्य होता है –

साधर्म्य Among सप्तपदार्थs is called –

(A) प्रमेयत्वम्

(B) द्रव्यत्वम्

(C) असमवेतत्वम्

(D) निमित्तकारणत्वम्

16. महत्तत्त्वं भवति –
महत्तत्त्व होता है –
महत्तत्त्व is –
(A) अव्यक्तपरिणामम्
(B) मन: परिणामम्
(C) आकाशतत्त्वपरिणामम्
(D) रूपतत्त्वपरिणामम्

17. सांख्यशास्त्रसिद्धान्त: भवति –
सांख्यशास्त्र का सिद्धान्त है –
The सिद्धान्त of सांख्यशास्त्र is –
(A) सङ्घातवाद:
(B) आरम्भवाद:
(C) सत्कार्यवाद:
(D) विवर्तवाद:

18. समाधिपादोऽस्ति –
समाधिपाद है –
समाधिपाद is –
(A) योगसूत्रग्रन्थे
(B) न्यायसूत्रग्रन्थे
(C) भक्तिसूत्रग्रन्थे
(D) ब्रह्मसूत्रग्रन्थे

19. प्रत्यक्षमेवैकं प्रमाणं भवति –
प्रत्यक्ष एक ही प्रमाण है –
प्रत्यक्ष alone is regarded as प्रमाण –
(A) जैनदर्शने
(B) चार्वाकदर्शने
(C) योगदर्शने
(D) सांख्यदर्शने

20. मरणमेव मोक्ष: इति वदन्ति –
मरण को ही मोक्ष मानते है –
मरण itself is regarded as मोक्ष –
(A) बौद्धा:
(B) चार्वाका:
(C) जैना:
(D) वैय्याकरणा:

21. बौद्धदर्शने सम्प्रदाया: सन्ति –
बौद्धदर्शन में सम्प्रदाय हैं –
In बौद्धदर्शन, the सम्प्रदायs are –
(A) षट्
(B) त्रय:
(C) चत्वार:
(D) पञ्च

22. चातुर्मासाख्ययाग: भवति –
चातुर्मासाख्ययाग है –
चातुर्मासाख्ययाग is –
(A) पर्वत्रयात्मक:
(B) पर्वषडात्मक:
(C) पर्वचतुष्टयात्मक:
(D) पर्वनवात्मक:

23. प्रकर्षेणाऽङ्गोपदेश: यत्र भवति सा –
प्रकर्षेणाऽङ्गोपदेश जहाँ होता है वह –
Where theore is प्रकर्षेणाऽङ्गोपदेश, it is called –
(A) विधात्री
(B) विकृति:
(C) प्रतिकृति:
(D) प्रकृति:

24. शुक्लयजुर्वेदस्य श्रोतसूत्रमस्ति –
शुक्लयजुर्वेद का श्रोतसूत्र है –
श्रोतसूत्र related to शुक्लयजुर्वेद, is –
(A) कात्यायन श्रौतसूत्रम्
(B) बौधायन श्रौतसूत्रम्
(C) आश्वलायन श्रौतसूत्रम्
(D) सत्याषाढ श्रौतसूत्रम्

25. माध्वमतेन सदागमैकविज्ञेय: भवति –
माध्वमत के अनुसार सदागमैकविज्ञेय है –
According to माध्वमत, सदागमैकविज्ञेय is –
(A) हिरण्यगर्भ:
(B) नारायण:
(C) पवमान:
(D) अग्नि:

26. माध्वमते प्रत्यक्षं भवति –
माध्वमत में प्रत्यक्ष है –
According to माध्वमत, प्रत्यक्ष is –
(A) पञ्चविधम्
(B) द्विविधम्
(C) त्रिविधम्
(D) चतुर्विधम्

27. माध्ववेदान्तस्य भेदपञ्चके नान्तर्भवति –
माध्वमत के पाञ्च भेदों में अन्तर्गत नहीं है –
It is not included under five-fold difference of माध्ववेदान्त –
(A) जीवेश्वरभेद:
(B) जीवजीवभेद:
(C) गुणरूपभेद:
(D) जडेश्वरभेद:

28. मनुस्मृते: टीका: सन्ति –
मनुस्मृति की टीका हैं –
Commentaries on the मनुस्मृति are –
(A) चतस्र:
(B) तिस्र:
(C) नव
(D) एकादश

29. मद्यमात्रे सुराशब्दप्रयोगोऽस्ति –
मद्यमात्र में सुराशब्द का प्रयोग है –
Use of सुराशब्द is in the sense of मद्य only –
(A) पारिभाषिक:
(B) गौण:
(C) रूढ:
(D) योगरूढ:

30. प्राजापत्यतीर्थमस्ति –
प्राजापत्यतीर्थ है –
प्राजापत्यतीर्थ is –
(A) अङ्गुष्ठस्य मूलम्
(B) मध्यमाया: मूलम्
(C) अनामिकाया: मूलम्
(D) कनिष्ठाया: मूलम्

31. सन्ति सिद्धरसप्रख्या: ये च –
सिद्धरस महाकाव्य के रूप में प्रसिद्ध हैं –
सिद्धरस महाकव्यs are –
(A) रामायणादय:
(B) रघुवंशादय:
(C) प्रकरणादय:
(D) प्रहसनादय:

32. 'षट्त्रिंशदध्यायी षट्साहस्रीसंहिता' उच्यते –
'षट्त्रिंशदध्यायी षट्साहस्रीसंहिता' कहा जाता है –
'षट्त्रिंशदध्यायी षट्साहस्रीसंहिता' is –
(A) रामायणम्
(B) महाभारतम्
(C) नाट्यशास्त्रम्
(D) अर्थशास्त्रम्

33. 'वाच्यादतिशयिनि व्यङ्गये' काव्यं भवति –
'वाच्यादतिशयिनि व्यङ्गये' काव्य होता है –
'वाच्यादतिशयिनि व्यङ्गये' काव्य is –
(A) उत्तमोत्तमम् ।
(B) उत्तमम् ।
(C) मध्यमम् ।
(D) अधमम् ।

34. उपदेशप्रधानं भवति –
उपदेशप्रधान है –
उपदेशप्रधान is –
(A) इतिहास:
(B) पुराणम्
(C) कर्मकाण्डम्
(D) सांख्यदर्शनम्

35. कृष्णोद्धवसंवादोऽस्ति –
कृष्णोद्धवसंवाद है –
कृष्णोद्धवसंवाद is –
(A) भागवतप्रथमस्कन्धे
(B) भागवतपञ्चमस्कन्धे
(C) भागवतनवमस्कन्धे
(D) भागवतदशमस्कन्धे

36. भारतवर्षमस्ति –
भारतवर्ष है –
भारतवर्ष is –
(A) शाकद्वीपे
(B) जम्बुद्वीपे
(C) क्रौञ्चद्वीपे
(D) पुष्करद्वीपे

37. शैवागमा: सन्ति –
शैवागम हैं –
शैवागमs are –
(A) अष्टादश
(B) पञ्चदश
(C) षोडश
(D) दश

38. श्रीकण्ठीयसंहिता भवति –
श्रीकण्ठीयसंहिता है –
श्रीकण्ठीयसंहिता belongs to –
(A) वेदस्य
(B) वेदाङ्गस्य
(C) आगमस्य
(D) पुराणस्य

39. जयद्रथयामलग्रन्थे संख्याका: सन्ति श्लोका: –
जयद्रथयामल ग्रन्थ में श्लोक हैं –
In जयद्रथयामल, the श्लोकs are –
(A) 24 सहस्र
(B) 10 सहस्र
(C) 14 सहस्र
(D) 15 सहस्र

40. मनीषापञ्चकं भवति –
मनीषापञ्चक होता है –
मनीषापञ्चक is –
(A) मण्डनाचार्यस्य
(B) वाचस्पतिमिश्रस्य
(C) श्रीशंकराचार्यस्य
(D) गोविन्दपादाचार्यस्य

41. अविद्याया नाशो भवति –
अविद्या का नाश होता है –
अविद्या is destroyed –
(A) इन्द्रसाक्षात्कारात्
(B) ब्रह्मसाक्षात्कारात्
(C) चित्तवृत्तिनिरोधात्
(D) प्राणवियोगात्

42. जगन्मिथ्या इति सिद्धान्तोऽस्ति –
जगन्मिथ्या सिद्धान्त है –
जगन्मिथ्या principle is –
(A) द्वैतवेदान्तस्य
(B) न्यायशास्त्रस्य
(C) सांख्यशास्त्रस्य
(D) अद्वैतवेदान्तस्य

43. वर्णानामुत्पत्तिस्थानानि भवन्ति –
वर्णों का उत्पत्तिस्थान हैं –
The places of origin of वर्णs are –
(A) अष्टौ
(B) पञ्च
(C) चत्वारि
(D) षट्

44. व्याकरणे 'उपदेश' शब्दस्याऽर्थः वर्तते –
व्याकरण में उपदेश शब्द का अर्थ है –
The meaning of the term उपदेश in व्याकरण, is –
(A) आदेशः
(B) शाब्दबोधः
(C) प्लुतसंज्ञा
(D) उदात्तः

45. सांख्यदर्शने प्रमाणानि सन्ति –
सांख्यदर्शन में प्रमाण माने गए हैं –
The प्रमाणs in सांख्यदर्शन are –
(A) त्रीणि
(B) चत्वारि
(C) पञ्च
(D) षट्

46. अद्वैतानुभवपरं श्रुतिवाक्यमस्ति –
अद्वैतानुभवपरक श्रुतिवाक्य है –
The श्रुतिवाक्य showing अद्वैतानुभव, is –
(A) तत्त्वमसि
(B) सर्वं खल्विदं ब्रह्म
(C) अहं ब्रह्मास्मि
(D) अयमात्मा ब्रह्म

47. यक्षदेवतयोः संवादः अस्ति –
यक्ष और देवता का संवाद हैं –
Diagre between यक्ष and देवता is –
(A) केनोपनिषदि
(B) ईशावास्योपनिषदि
(C) कठोपनिषदि
(D) ऐतरेयोपनिषदि

48. गद्यपद्यमयं काव्यं ____ इत्यभिधीयते ।
गद्य और पद्य से युक्त काव्य को ____ कहते हैं ।
The काव्य having the mixture of गद्य and पद्य, is called –
(A) दण्डकम्
(B) नाटकम्
(C) चम्पूः
(D) आख्यायिका

49. प्रकृतस्य समेन यत्सम्भावनं क्रियते तत्र अलंकारो भवति –
उपमेय की उपमान के साथ जहाँ सम्भावना की जाती है वहाँ अलंकार होता है –
'प्रकृतस्य समेन यत्सम्भावनं क्रियते' that अलंकार is –
(A) अपह्नुतिः ।
(B) दीपकम् ।
(C) उत्प्रेक्षा ।
(D) निदर्शना ।

50. नाटकं नास्ति –
नाटक नहीं है –
It is not नाटक –
(A) स्वप्नवासवदत्तम्
(B) वासवदत्ता
(C) अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(D) उत्तररामचरितम्

Space For Rough Work